

27/8
2/5

पत्रावली पेश हूँ। मेरे नी उपर
नामी कोष। वादी व उरु वकील
के बार-बार आवाज लगाते कि तु
मेरे नी उपर नामी कोष। वादी व
उरु वकील के वाक्यद रचना के
अनुसार पत्रावली आदि फाइल
आदि फाइल में स्वतंत्र की जाती है।
पत्रावली फाइल शुद्ध होकर नए
रूप में वापस दायित्व दायर
है।

उपसर्ग अधिकारी
कोष (कोटपुतली-बहरोडा)